वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली उत्तराखंड औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय

वानिकी महाविद्यालय, कृषि मौसम प्रक्षेत्र इकाई

रानीचौरी, टिहरी गढ़वाल-249199 (उत्तराखण्ड)

फोन नंबर : 01376-252 150

कृषि मौसम परामर्श सेवा बुलेटिन, जनपद - बागेश्वर

दिनांक- 01 अक्टूबर, 2018

भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान आधारित ग्रामीण कृषि मौसम सेवा परियोजना के अंतर्गत मौसम केन्द्र देहरादून से प्राप्त मौसम पूर्वानुमानित आँकड़ों के आधार पर उत्तराखण्ड के बागेश्वर जनपद में अगले पाँच दिनो निम्न मौसम रहने की सम्भावना व्यक्त की जाती है :-

मौसम पूर्वानुमान - बागेश्वर	(between 0830 hours of Yesterday & 0830 hours Today)				
मौसम प्राचल/दिनांक	02-10-2018 (01 अक्टूबर सुबह 08:30 बजे से 02 अक्टूबर सुबह 08:30 बजे तक)	03-10-2018 (02 अक्टूबर सुबह 08:30 बजे से 03 अक्टूबर सुबह 08:30 बजे तक)	04-10-2018 (03 अक्टूबर सुबह 08:30 बजे से 04 अक्टूबर सुबह 08:30 बजे तक)	05-10-2018 (04अक्टूबर सुबह 08:30 बजे से 05अक्टूबर सुबह 08:30 बजे तक)	06-10-2018 (05अक्टूबर सुबह 08:30 बजे से 06अक्टूबर सुबह 08:30 बजे तक)
वर्षा (मि.मी.)	नही	नही	नहीं	नही	नही
अधिकतम तापमान (डिग्री सेल्सियस)	31	31	31	30	30
न्यूनतम तापमान (डिग्री सेल्सियस)	17	17	17	18	18
आसमान में बादल आच्छादन (ओक्टा: 0 से 8) शून्य ओक्टा (पूरी तरह से साफ आसमान) 8 ओकटा (पूरी तरह बादलों से घिरा आसमान)	मुख्यतः साफ (2 ओक्टा)	मुख्यतः साफ (1 ओक्टा)	साफ आसमान (0 ओक्टा)	मुख्यतः साफ (1 ओक्टा)	मुख्यतः साफ (2 ओक्टा)
अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता (%)	85	80	75	70	75
न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता (%)	40	40	35	35	40
वायु की औसत गति (कि.मी./घंटा)	4	4	4	6	4
वायु की दिशा	उत्तर-पश्चिम	उत्तर-पश्चिम	उत्तर-पश्चिम	उत्तर-पश्चिम	उत्तर-पश्चिम

कृषि मौसम विज्ञान वेधशाला, रानीचौरी, टिहरी गढ़वाल (समुद्रतल से ऊँचाई-1827 मीटर) के प्रेक्षण अनुसार विगत सप्ताह (25 सितम्बर से 01 अक्टूबर, 2018, सुबह 08:30 तक)आसमान में कुछ भाग बादल छाए रहने के साथ 41.6 मिमी. वर्षा हुई|दिन का अधिकतम तापमान 21.2 से 22.5 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 10.5 से 13.2 डिग्री सेल्सियस रहा|इस दौरान पूर्वाहन 07:16 बजे सापेक्षित आर्द्रता 73 से 100 प्रतिशत तथा अपराहन 14:16 बजे को 72 से 85 प्रतिशत के मध्य रही| हवा की औसत गति 3.6 से 5.1 किमी० प्रति घंटा रही|सप्ताह के दौरान हवा दक्षिण-पूर्व और दक्षिण-पश्चिम दिशा से चली|

फसल	अवस्था	फसल	अवस्था
धान (सिंचित), मंडुवा, रामदाना	दाना/परिपक्वता	**तोर, सोयाबीन, गहत, नौरंगी, उर्द आदि**	फली/दाना
टमाटर, शिमलामिर्च, तेज मिर्च आदि	फूल/फल बनना	**लौकी, कददू, खीरा**	फूल/फल
बंद गोभी	बढ़वार	**सब्जी मटर (असिंचित_ऊंचाई क्षेत्र)**	पौध
राई, पालक, मेथी, धनिया	अंकुरण/पौध	**माल्टा**	फल वृद्धि

कृषि मौसम सलाह समिति द्वारा किसानों हेतु कृषि सलाह

- आगामी कुछ दिनों आसमान मुख्यतः साफ रहने व बारिश नहीं होने के मौसम पूर्वानुमान को ध्यान रखते हुए किसानो को सलाह दी जाती है कि परिपक्व फसल को अच्छी तरह धूप लगने के उपरान्त कटाई व मंड़ाई कार्य करें| लंबे समय तक सुरक्षित भण्डारण के लिए अनाज को अच्छी तरह (12-15% नमी रहने तक) सुखाएं|
- मध्यम ऊंचाई क्षेत्र में प्याज की पौध तैयार करें|बीज को *ट्राईकोडर्मा,स्यूडोमोनास,बैविरिया* आदि जैविक अभिकर्ताओ से बीज शोधन करें अथवा एक किलो बीज को 2 ग्राम थीरम या 1 ग्राम कार्बेन्डाजिम से बीज उपचार करें|
- इस मौसम में पत्तीदार सब्जियों जैसे मूली, राई, मेथी, पालक धनिया आदि की बुवाई करें|
- बंद गोभी, सब्जी मटर पौध में गुडाई के दौरान जैविक अभिकर्ता को मिट्टी में मिला दें तत्पश्चात पलवार (सूखी घास) बिछा दें ताकि नमी संरक्षण हो सके|
- सूंडी कीट नियंत्रण हेतु दानेदार क्लोरपाईरोफोस को मिट्टी/रेत के साथ मिलाकर पूरे खेत में बुरकाव कर मिट्टी में मिला दें|
- आगामी रबी सीजन की बुवाई पूर्व खेतों की उर्वरा शक्ति को जानने हेतु मृदा परीक्षण अवश्य करवाएं ताकि बुवाई के समय संस्तुत मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग किया जा सके|
- खेत/घर के आसपास सुरक्षित स्थान पर मधुमक्खी पालन हेतु मधुमक्खी बॉक्स स्थापित करें|
- इस समय मशरुम उत्पादन का उचित समय है, कम्पोस्ट व स्पान (मशरुम बीज) को विश्वसनीय स्रोत से प्राप्त कर बीजाई करें|
- फलदार नींबू/माल्टा, अमरुद इत्यादि फल वृक्षों को रोगमुक्त रखने के लिए बोर्डेक्स मिश्रण (10 ग्राम/लीटर पानी) का छिडकाव करें| उचित फल वृद्धि हेतु सड़ी गोबर खाद/कम्पोस्ट के साथ सूक्ष्म पौषक तत्वों को मिलाकर मुख्य जड़ के आसपास (थालों में) मिट्टी में मिला दें|
- माल्टा/नींबू की टहनियां ऊपर से सूख रही हों तो इससे बचाव हेतु कॉपर आक्सीक्लोराइड 0 .2% घोल का छिडकाव 2-3 बार करें| सूखी टहनियों को काट कर जला दें|
- इस मौसम में सेब बागान से फल तुड़ाई उपरान्त पत्तियों को झाड़ने व स्कैब रोग के जाल को नष्ट करने हेतु 2 किग्रा० यूरिया प्रति 200 लीटर पानी में घोलकर छिडकाव करें|
- अखरोट फलों की तुड़ाई उपरान्त धूप में अच्छी तरह सुखा कर भण्डारण/विपणन करें|
- पशुओं को जुओं व चिचडो से बचाव हेतु ब्यूटोक्स दवा 1 मिली० प्रति लीटर पानी में घोलकर दिन के समय (धूप रहने के दौरान) पशुओं के शरीर पर पोंछ दें तथा दो घंटे बाद पशु को नहला दें|
- पशु आहार में हरे चारे के साथ सूखा चारा (भूसा) व संतुलित आहार का मिश्रण खिलाएं|
- बकरियों में मुंहपका रोग व जुकाम (खांसी-बुखार) के लक्षण दिखाई देने पर पशुचिकित्सक से परामर्श लेकर प्रतिजैविक (एंटीबायोटिक) दवा का सेवन करवाएं|
- इस समय पशुओ को खुरपका (खुर्र्य) रोग का टीका लगायें|

नोडल अधिकारी
कृषि मौसम प्रक्षेत्र इकाई, रानीचौरी

तकनीकी अधिकारी
कृषि मौसम प्रक्षेत्र इकाई, रानीचौरी